भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1064

सोमवार, 10 फरवरी, 2025/21 माघ, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) में वृद्धि

†1064. श्री भर्तृहरि महताबः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2023 में 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के आगमन को देखते हुए, विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) में वृद्धि को गति देने वाले प्रमुख कारकों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या वर्ष 2023 में पर्यटन के माध्यम से विदेशी मुद्रा आय (एफईई) 2,31,927 करोड़ रुपये थी और सरकार की इस आय को किस प्रकार और बढ़ाने की योजना है; और

(ग) विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने के लिए अधिक राजस्व सृजन हेतु सरकार द्वारा लक्षित क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): आप्रवासन ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने वर्ष 2023 में 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) के आंकड़े दर्ज किए, जो वर्ष 2022 की तुलना में 47.9% की वृद्धि को दर्शाता है और जिससे 36.5% की वृद्धि के साथ 2,31,927 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा आय (एफईई) हुई है।

विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) में हुई वृद्धि मुख्य रूप से महामारी के बाद वैश्विक यात्रा की पुनर्बहाली और विविध एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध गंतव्य के रूप में भारत के प्रति बढ़ते विश्वास का परिणाम है। बेहतर हवाई कनेक्टिविटी ने प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच में सुधार किया है, जबकि पर्यटन अवसंरचना के निरंतर विकास ने आगंतुक अनुभव को बेहतर बनाया है। इसके अतिरिक्त, लक्षित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय विपणन अभियानों ने भारत की वैश्विक अपील को मजबूत किया है, जिससे यह दुनिया भर के यात्रियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित हुआ है।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने देश में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विगत वर्षों में अनेक कदम उठाए/पहल किए हैं, जिनका ब्यौरा निम्नानुसार है:-

- पर्यटन मंत्रालय देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- पर्यटन मंत्रालय अपने विभिन्न अभियानों और कार्यक्रमों के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारत के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है। इनमें से कुछ पहल-देखो अपना देश अभियान, चलो इंडिया अभियान, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट, भारत पर्व हैं।
- अतुल्य भारत सामग्री हब लॉन्च किया गया जो कि एक व्यापक डिजिटल कोष है, जिसमें भारत में पर्यटन से संबंधित उच्च गुणवत्ता वाली छवियों, फिल्मों, ब्रोशर और समाचार पत्रों का एक समृद्ध संग्रह है। मंत्रालय की वेबसाइट- www.incredibleindia.org और सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से भी प्रचार किया जाता है।
- अन्य विशिष्ट थीमों में निरोगता पर्यटन, पाक पर्यटन, ग्रामीण, इको-पर्यटन आदि जैसे विषयगत पर्यटन को बढ़ावा दिया जाता है ताकि पर्यटन के दायरे को अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ाया जा सके।
- क्षमता निर्माण 'सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण' जैसे कौशल विकास, 'अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता' (आईआईटीएफ), 'पर्यटन मित्र' और 'पर्यटन दीदी' पर केंद्रित पहलों के माध्यम से समग्र गुणवत्ता और आगंतुक अनुभव को बेहतर बनाया जाता है।
- महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के लिए हवाई संपर्क में सुधार के लिए, अपनी आरसीएस-उड़ान योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय ने नागर विमानन मंत्रालय के साथ सहयोग किया है। अब तक, 53 पर्यटन मार्गों को प्रचालित किया जा चुका है।
- ई-वीजा योजना अब 167 देशों और 9 उप-श्रेणियों के लिए उपलब्ध है:-
    i. ई-टूरिस्ट वीजा
    ii. ई-बिजनेस वीजा
    iii. ई-मेडिकल वीजा
    iv. ई-कोन्फ्रेंस वीजा
    v. ई-मेडिकल अटेंडेंट वीजा
    vi. ई-आयुष वीजा
    vii. ई-आयुष अटेंडेंट वीजा
    viii. ई -स्टूडेंट वीजा
    ix. ई -स्टूडेंट एक्स वीजा

****